दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, मंगलवार 21 अप्रैल 2020 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-02, अंक- 201

महत्वपूर्ण एवं खास

चीन में पिछले 24 घंटों में एक भी मौत नहीं

» संक्रमितों की कुल आंकड़ा 82,747

बीजिंग। चीन में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस 'कोविड-19' से कोई भी मौत का मामला सामने नहीं आया है जबकि इस दौरान कुल 12 लोग संक्रमित हुए हैं। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने सोमवार को यह जानकारी दी। आयोग के अनुसार पिछले 24 घंटों में कुल 22 लोग इस बीमारी से ठीक हुए हैं। चीन में आये 12 नये मामलों में आठ मामले अन्य देशों से आये हैं। इसके साथ ही चीन में अन्य देशों से आये मामलों की संख्या बढ़कर 1583 हो गयी है। आयोग के मुताबिक चीन में अब तक कुल 82,747 संक्रमित मामले सामने आये हैं। इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 4632 हो गयी है जबकि 77,000 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है। चीन में कोरोना वायरस महामारी का पहला मामला पिछले साल दिसंबर में हुबेई प्रातं की राजधानी वुहान शहर में आया था। पिछले 24 घंटों में वुहान के अस्पताल से चार नये मरीजों की छुट्टी दे दी गयी है और इस दौरान हुबेई प्रांत में एक भी नया मामला सामने नहीं आया है।

ट्यूनीशिया में कोरोना से अबतक 38 लोगों की मौत

टुनिस। विश्वभर में फ़ैल चुके खतरनाक कोरोना वायरस के प्रकोप से ट्यूनीशिया में अबतक 38 लोगों की मौत हो गयी है और कुल संक्रमितों की संख्या भी बढ़कर 879 हो गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को बताया कि देशभर में 13 नए मामले दर्ज किये गए। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, हाल ही में 766 लोगों की जांच की गयी थी जिनमे से 39 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है और इनमें से 13 नए मामले जबकि 26 लोग अभी भी कोरोना से संक्रमित है। उन्होंने बताया कि ट्यूनीशिया में कोरोना के चलते अभी तक 38 लोगों की भी मौत हो गयी है।

नाइजीरिया में डाकुओं ने 40 ग्रामीणों को मारा

अबुजा। नाइजीरिया के कटसीना स्टेट के कई गावों पर सिलसिले वार तरीके से हमलों में कम से कम 47 ग्रामीणों की मौत हो गयी। स्थानीय पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। नाइजीरिया के डेली ट्रस्ट मीडिया ने पुलिस प्रवक्ता गम्बो इसाह के हवाल से कहा, 18 अप्रैल की रात को करीब साढ़े बजे बड़ी संख्या में आये डाकुओं ने कटसीना स्टेट के दानमुसा के कुरेची गांव में एक 47 से हमला कर दिया जिसमें कई लोगों की मौत हो गयी। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि इसी तरह के हमले 18 अप्रैल की रात कई गावों में किये गए जिसमें कई ग्रामीणों की जान चली गयी। प्रवक्ता ने कहा, दानमुसा के कुरेचीन अतई गावं में 14 लोगों की मौत हो गयी और कुरेचीन गिये गांव में डाकुओं ने चार तथा कुरेचीन डटसे गांव में छह लोगों को मार डाला। इसके अलावा डाकुओं ने अन्य गावों में भी हमला किया जिनमें 19 लोगों की मौत हो गयी। इस घटना के बाद कानून व्यवस्था की टीम और नाइजीरिया की सेना इस घटना की जांच कर रहे हैं। गौरतलब है कि जनवरी 2019 से कटसीना स्टेट में अबतक 200 लोगों की मौत हो चुकी है। इसी वर्ष फरवरी में दो गावों में डाकुओं के हमले में तीस लोगों की मौत हो गयी थी।

अमेरिका में एक दिन में 2 हजार लोगों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका में खतरनाक कोरोना वायरस से हालात बद से बदतर होते जा रहे है और देश में अबतक 40 हजार से अधिक कोरोना संक्रमितों की मौत हो चुकी है जो विश्व के किसी भी देश में सबसे अधिक है। पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस 'कोविड-19' से 2000 लोगों की मौत हुई है। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के अनुसार अमेरिका में पिछले 24 घंटों में 26,800 नए मामले सामने आए हैं जबकि इस दौरान कुल 1997 लोगों की मौतें हुई है। अमेरिका के सबसे मुख्य शहरों में से एक न्यूयॉर्क में सबसे अधिक 18,921 लोगों की मौत हो चुकी है और अबतक करीब 242,570 लोग कोरोना से संक्रमित पाये गये है। इसके अलावा न्यू जर्सी में 4,364, मिशिगन में 2308 और मैसाचुसेट्स में अबतक 1560 लोगों की जान जा चुकी है।

देशभर में 17265 हुए कोरोना मरीज, 543 की मौत
पिछले 24 घंटे में 1553 नए मामले, 36 लोगों की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। देशभर में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 1553 नए मामले सामने आए हैं और 36 लोगों की मौत हुई है। इसके बाद देशभर में कोरोना पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या 17,265 हो गई है, जिसमें 14,175 सक्रिय हैं, 2547 लोग स्वस्थ हो चुके हैं या उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और 543 लोगों की मौत हो गई है।

देश में कोरोना वायरस को लेकर दैनिक संवाददाता सम्मेलन में सोमवार को स्वास्थ्य मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, गृह मंत्रालय और आईसीएमआर ने इससे जुड़े नए तथ्य और आंकड़े सामने रखे। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि

पिछले 24 घंटे में 1553 नए मामले सामने आए हैं और इस दौरान 36 लोगों की मौत हुई। देश में अब तक 17,262 कुल मामले हो चुके हैं। हालांकि इस बीच अच्छी खबर यह रही कि देश के कई जिले अब कोरोना मुक्त हो गए हैं। मगर चिंता की बात यह है कि अब तक सामने आए संक्रमितों में से 80 फीसदी मामले ऐसे हैं, जिनमें कोई लक्षण नहीं दिखाई दिए। लेकिन भारत के लिए चिंता की बात यह है कि कोरोना के 80 फीसदी मामलों में संक्रमण के लक्षण नहीं दिखाई दिए।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि कोरोना से निपटने के लिए हर संभव प्रयास जारी है। लेकिन चिंता की बात यह है कि अब तक सामने आए पॉजिटिव मामलों में से 80 फीसदी मामले ऐसे हैं, जिनमें कोई संक्रमण के लक्षण नहीं दिखाई दिए।

दूसरे देशों से भारत की स्थिति ठीक- स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि हम जी-20 देशों के साथ मिलकर वैक्सीन पर काम करेंगे। कोरोना से निपटने के लिए हर तरह से सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि लोगों की पहल से दूसरे देशों से भारत की स्थिति ठीक है, पहले 3.4 दिन में मरीज दोगुना हो रहे थे, अब 7.5 दिन में मरीज दोगुना हो रहे हैं। पिछले 14 दिनों में 23 राज्यों के 59 जिलों में एक भी केस सामने नहीं आया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 59 जिले कोरोना से मुक्त हो गए हैं। इन जिलों में पिछले 14 दिनों से कोरोना का कोई केस सामने नहीं आया है। वहीं पुदुचेरी में माहे, कर्नाटक में कोडागु और उत्तराखंड में पौड़ी गढ़वाल में पिछले 28 दिनों में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है ।

देश के 59 जिले कोरोना मुक्त- स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 59 जिले कोरोना से मुक्त हो गए हैं। इन जिलों में पिछले 14 दिनों से कोरोना का कोई केस नहीं आया है। वहीं पुदुचेरी में माहे, कर्नाटक में कोडागु और उत्तराखंड में पौड़ी गढ़वाल में पिछले 28 दिनों में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

इंदौर, मुंबई, पुणे, जयपुर, कोलकाता में हालात हैं गंभीर

» केंद्र सरकार ने गठित की छह अंतर मंत्रालयीन टीमें

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 संबंधी हालात मुंबई, पुणे, इंदौर, जयपुर, कोलकाता और पश्चिम बंगाल के कुछ अन्य स्थानों पर विशेष रूप से गंभीर हैं और लॉकडाउन के नियमों के उल्लंघन से कोरोना वायरस फैलने का खतरा है।

गृह मंत्रालय ने राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा कि कोविड-19 से निपटने के लिए काम कर रहे स्वास्थ्यसेवा पेशेवरों पर हिंसा, सामाजिक दूरी बनाए रखने का उल्लंघन और शहरी इलाकों में वाहनों की आवाजाही के कई मामले सामने आए हैं। इन्हें रोका जाना चाहिए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोविड-19 के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 543 हो गई है और इससे संक्रमित लोगों की संख्या 17,265 हो गई है। गृह मंत्रालय ने कहा कि मध्य प्रदेश के इंदौर, महाराष्ट्र के मुंबई एवं पुणे, राजस्थान के जयपुर और पश्चिम बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, पूर्वी मेदिनीपुर, उत्तर 24परगना, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और जलपाईगुड़ी में हालात विशेष रूप से गंभीर हैं। लॉकडाउन के नियमों के उल्लंघन के सामने आए मामले लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं और कोविड-19 के फैलने का खतरा भी बढ़ा रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार ने इन स्थानों में कोविड-19 संबंधी हालात का वहां जाकर आकलन करने और चारों राज्यों- मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान एवं पश्चिम बंगाल के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने के लिए छह अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीमें (आईएमसीटी) गठित की है।

भारतीय रेल ने 300 स्थानों पर 20 लाख से अधिक भोजन वितरित किया

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोविड-19 के कारण राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान भारतीय रेल द्वारा निःशुल्क गर्म पका हुआ भोजन का वितरण आज 20.5 लाख से अधिक भोजन के साथ, 20 लाख (2 मिलियन) का आंकड़ा पार कर गया।

वैश्विक महामारी ने अभूतपूर्व परिस्थितियाँ पैदा कर दी हैं, जिससे बड़ी संख्या में लोग भूख की चपेट में आ गए हैं। इस महामारी और लॉकडाउन से फंसे हुए व्यक्ति, दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी, बच्चे, कुली, बेघर, गरीब और अन्य लोग सबसे बुरी तरह प्रभावित हैं।

कोविड-19के कारण लॉकडाउन के बाद जरूरतमंद लोगों को गर्म पकाया हुआ भोजन उपलब्ध कराने के लिए 28 मार्च 2020 से कई रेलवे संगठनों के कर्मचारियों ने अथक परिश्रम किया है। भारतीय रेल आईआरसीटीसी बेस किचन, आरपीएफसंसाधनों और गैर

सरकारी संगठनों की सहायता से दोपहर का भोजन कागज - प्लेट के साथ और रात का भोजन पैकेट में वितरित कर रहा है। जरूरतमंद व्यक्तियों को भोजन वितरित करते समयसामाजिक दूरी और स्वच्छता के नियमों का पालन किया जा रहा है। रेलवे स्टेशनों और इसके आसपास के क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों की भोजन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिएआरपीएफ, जीआरपी, जोन के वाणिज्यिक विभागों, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन और गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से भोजन का वितरण किया जा रहा है।

हर जनधन, पेंशन, किसान खाते में सरकार डाले 7500 रुपये: जयराम रमेश

» कांग्रेस सलाहकार समिति जल्द केंद्र को भेजेगी अपनी सिफारिशें

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस लॉकडाउन में गरीबों और जरूरतमंद लोगों के खातों में मोदी सरकार की ओर से ट्रांसफर की गई सहायता राशि को नाकाफी बताते हुए कांग्रेस पार्टी ने हर खाते में 7500 रुपये देने की मांग की है।

कांग्रेस पार्टी वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि सरकार को सभी जनधन, किसान सम्मान और पेंशन योजनाओं से जुड़े खातों में 7500 रुपये डालने चाहिए। रमेश भी कांग्रेस की गठित की गई एक

11 सदस्यीय सलाहकार समूह के सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि हर जनधन खाते, पेंशन खाते और पीएम किसान अकाउंट में 7500 रुपये जमा किए जाएं। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के नेतृत्व में गठित सलाहकार समूह की पहली बैठक के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मोदी सरकार के सामने यह मांग रखी है। दरअसल कांग्रेस पार्टी के सलाहकार समूह की बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में बताते हुए जयराम रमेश ने कहा कि सरकार ने अब तक जो कदम उठाए हैं वो अपर्याप्त हैं। हम सरकार को अपनी तरफ से सुझाव देंगे।

लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) को पुनर्जीवित करने, फसल खरीद और पलायन समस्या को लेकर कांग्रेस पार्टी ने एक वृस्तृत प्लान तैयार किया है। इसे 1-2 दिन में मोदी सरकार को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने एमएसएमई को नया जीवन देने के लिए बहुत ठोस प्लान तैयार किया है। हम जल्द इसे सरकार को सौंपेंगे।

कितनी मदद दी है मोदी सरकार ने?- कोरोना लॉकडाउन में गरीबों की मदद के लिए 26 मार्च को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1.70 लाख करोड़ रुपये के पैकेज का ऐलान किया था। इसके तहत जरूरतमंद लोगों को अनाज और कैश ट्रांसफर की घोषणा की गई थी। निर्मला सीतारमण ने कहा कि था कि योजना के तहत किसानों, मनरेगा, गरीब विधवा, गरीब पेंशनधारी और दिव्यांगों, और जनधन अकाउंट धारी महिलाओं, उज्ज्वला योजना की लाभार्थी महिलाएं, स्वंय सेवा समूहों की महिलाओं और संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों, कंस्ट्रक्शन से जुड़े मजदूरों को मदद दी जाएगी।

आवश्यक चिकित्सा सामग्री पहुंचाने लाइफलाइन की उड़ानों ने 3 लाख किमी से अधिक की दूरी तय

नईदिल्ली (आरएनएस)। लाइफलाइन उड़ान सेवा की उड़ानों ने लगभग 507.85 टन आवश्यक चिकित्सा कार्गो के परिवहन के लिए 3 लाख किलोमीटर से ज्यादा की हवाई दूरी तय की है। एयर इंडिया, एलायंस एयर, आईएएफ और निजी वाहकों द्वारा लाइफलाइन उड़ान के तहत 301 उड़ानें संचालित की गई हैं। इनमें से 184 उड़ानें एयर इंडिया और एलायंस एयर द्वारा संचालित की गई हैं। कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई में सहयोग करने के लिए देश के

LIFELINE UDAN

दूरदराज के हिस्सों में आवश्यक चिकित्सा कार्गो परिवहन के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा लाइफलाइन उड़ान सेवा की उड़ानों को संचालित किया जा रहा हैं।

पवन हंस लिमिटेड सहित अन्य हेलीकॉप्टर सेवाएं जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, द्वीप और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में संचालन करते हुए महत्वपूर्ण चिकित्सा सामग्री और रोगियों का परिवहन कररही हैं। 19 अप्रैल 2020 तक पवन हंस ने 6537 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 1.90 टन माल ढोया है। घरेलू लाइफलाइन उड़ान के कार्गो में कोविड-19 संबंधित अभिकर्मक, एंजाइम, चिकित्सा उपकरण, परीक्षण किट, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई), मास्क, दस्ताने, एचएलएल एवं आईएमसीआर की अन्य सामग्री और राज्य / केन्द्र शासित प्रदेश सरकारों का जरूरी कार्गो व डाक पैकेट आदि शामिल हैं।

पूर्वोत्तर क्षेत्र, द्वीप क्षेत्रों और पहाड़ी राज्यों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। एयर इंडिया और आईएएफ ने मुख्य रूप से जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, पूर्वोत्तर और अन्य द्वीप क्षेत्रों के लिए ये सहयोग किया है। इन कार्गो में बड़ी मात्रा में मास्क, दस्तानों और अन्य उपभोग्य सामग्रियों के कम वजन और बड़े आकार वाले पैकेज होते हैं जो विमान में अधिक जगह घेरते हैं।

क्वारंटाइन सेंटर से भागे 4 युवक पर मामला दर्ज

नईदिल्ली (आरएनएस)। उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र स्थित एक क्वारंटाइन सेंटर से चार युवकों के फरार होने की खबर है। इस सिलसिले में पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, इस बाबत सिविल लाइंस थाना पुलिस ने मैगजीन रोड स्थित सरकारी स्कूल में बनाए गए क्वारंटाइन सेंटर के प्रभारी की शिकायत पर केस दर्ज किया है। पता चला है कि जो चार युवक गायब हुए हैं, उन्हें मार्च महीने के अंतिम दिनों में यहां लाकर रखा गया था। फरार होने वाले युवकों में बिहार, असम, कानपुर और एक युवक दिल्ली के ही उत्तर पूर्वी जिला का बताया जाता है।

विदेश में फंसे भारतीयों पर 3 मई के बाद होगा फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। चीन से फैले कोरोना वायरस से भारत समेत दुनियाभर के तमाम देश लड़ रहे हैं। कोविड-19 महामारी की वजह से देश में लॉकडाउन को 3 मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इससे विदेश में रह रहे भारतीय भी वहां फंसे हुए हैं, जो जल्द से जल्द स्वदेश लौटना चाहते हैं। हालांकि सूत्रों की मानें तो विदेशों में फंसे भारतीयों को वापस लाने पर कोई भी फैसला 3 मई के बाद ही लिया जाएगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार सरकार दूतावासों और उच्चायोगों के जरिए दूसरे देशों में फंसे छात्रों, रोजगार गंवाने वालों और पर्यटन वीजा पर दूसरे देशों में जाकर फंसे लोगों की सूची तैयार करा रही है. लेकिन कोई फैसला लॉकडाउन खत्म होने के बाद ही लिया जाएगा। दरअसल कोरोना के चलते ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा, सिंगापुर, रूस, जर्मनी, अमेरिका, मलयेशिया, फिलीपींस जैसे देशों में हजारों छात्र फंसे हुए हैं। यूके और कनाडा में भारी संख्या में भारतीय रहते हैं। वहीं खाड़ी देशों में रह रहे करीब 10 लाख भारतीय स्वदेश लौटना चाहते हैं। इस संदर्भ में सेना के डॉक्टरों की भी मदद लेने पर मंथन हुआ है। सूत्रों ने बताया कि अब तक की सूचना के मुताबिक करीब 35,000 लोगों को तत्काल मदद की जरूरत है। यही कारण है कि सरकार में उच्च स्तर पर इनकी स्वदेश वापसी का रोड मैप तैयार करने पर लगातार मंथन हो रहा है।

पीएम मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री ने कोविड-19 के स्वास्थ्य और आर्थिक प्रभावों को कम करने के लिए भारत की ओर से मालदीव को निरंतर सहयोग देने का आश्वासन दिया । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मालदीव के

राष्ट्रपति महामहिम इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों राजनेताओं ने अपने-अपने देशों में 'कोविड-19' के संक्रमण की मौजूदा स्थिति के बारे में एक-दूसरे को अपडेट किया। दोनों राजनेताओं ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि सार्क देशों के बीच समन्वय के लिए जिन-जिन तौर-तरीकों पर सहमति जताई गई है उन्हें सक्रियतापूर्वक लागू किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि मालदीव में पहले तैनात किए गए भारतीय चिकित्सा दल और फिर बाद में भारत द्वारा उपहार में दी गई आवश्यक दवाओं ने द्वीप में संक्रमण के फैलाव को नियंत्रित करने में उल्लेखनीय योगदान दिया था।

पर्यटन पर निर्भर अर्थव्यवस्था जैसे कि मालदीव में महामारी से उत्पन्न विशेष चुनौतियों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदीव के राष्ट्रपति को कोविड-19 के स्वास्थ्य और आर्थिक खतरों या प्रभावों को कम करने के लिए भारत की ओर से निरंतर सहयोग देने का आश्वासन दिया। दोनों राजनेताओं ने इस पर सहमति व्यक्त की कि उनके अधिकारी वर्तमान स्वास्थ्य संकट से उत्पन्न मुद्दों के साथ-साथ द्विपक्षीय सहयोग के अन्य पहलुओं को भी ध्यान में रखते हुए निरंतर आपसी संपर्क में रहेंगे।

केवीएस ने कोरोना के खिलाफ चल रही लड़ाई में योगदान देने कई कदम उठाए

» अब तक 80 केवी क्वारंटीन केंद्र बनाए गए

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोविड-19 के खतरे के मद्देनजर इस चुनौतीपूर्ण वक्त में मानव संसाधन विकास मंत्रालय तुरंत सक्रिय हो गया है और देश भर के सभी शैक्षणिक संस्थानों में रोकथाम के और एहतियाती कदम उठाते हुए उसने संयुक्त रूप से कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए कई प्रयास किए हैं। इस संबंध में कोविड-19 के खिलाफ चल रही मौजूदा लड़ाई में अपना योगदान देने के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) ने विभिन्न कदम उठाए।

केंद्रीय विद्यालयों में क्वारंटीन केंद्र- देश में कोविड-19 ने जो खतरनाक स्थिति पैदा कर दी है उसे ध्यान में रखते हुए, यह निर्णय लिया गया था कि किसी भी रक्षा प्राधिकरण या जिला प्रशासन से औपचारिक अनुरोध मिलने पर, संबंधित स्कूल कोविड-19 के संदिग्ध मामलों में अस्थायी आवास के लिए केवी स्कूल भवनों की कक्षाओं का उपयोग करने की अनुमति देंगे। अब तक देश भर में 80 केंद्रीय विद्यालय स्कूलों को क्वारंटीन केंद्रों के रूप में उपयोग करने के लिए विभिन्न सक्षम अधिकारियों द्वारा लिया जा चुका है।

पीएम-केयर्स फंड में योगदान- केवीएस स्टाफ के शिक्षकों और गैर-शिक्षक स्टाफ ने कोविड-19 के प्रकोप के कारण उपजे इन मुश्किल क्षणों के दौरान राष्ट्र का समर्थन करने के लिए अपने सहयोग के तौर पर पीएम-केयर्स फंड में 10,40,60,536/-रुपये का योगदान दिया है। इस राशि में व्यक्तिगत योगदान एक दिन के वेतन से लेकर 1 लाख रुपये तक का रहा है।

केवीएस शिक्षकों की पहल- जिम्मेदार शिक्षकों और मार्गदर्शकों के तौर पर बड़ी संख्या में केवीएस शिक्षक कोविड-19 की वैश्विक महामारी का सामना करने के इस अवसर पर आगे आते हुए अपने छात्रों के साथ डिजिटल मंचों के माध्यम से जुड़ रहे हैं ताकि अच्छी गुणवत्ता वाले शैक्षणिक समय के नुकसान की भरपाई की जा सके।

केवीएस ने अपने सभी प्रधानाचार्यों के साथ कुछ कार्रवाई के बिंदु साझा किए हैं जिन्हें जितना संभव हो लागू किया जा सके।